>

Title: Alleged misbehaviour with his family members by railway officials while traveling in Patna Rajdhani Express at Allahabad Railway Station on 19.04.2007.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार): अध्यक्ष महोदय, मैं रेल में यात्रा कर रहे यात्रियों ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Member, I have received a complaint, which you have sent to me against the Railway Authorities for their alleged misbehaviour with your family Members while traveling in Patna-Rajdhani Express on 19th April, 2007. I have already called for the factual notes from the Ministry of Railways in the matter, and I can assure you that I shall take appropriate decision after receipt of the same. Therefore, your matter is very much alive.

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम दो मिनट ब्रीफ करना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, हम कहना चाहते हैं कि यात्रियों के विषय में तो अखबारों के माध्यम से हम बराबर सुनते रहते हैं, लेकिन 19.4.2007 को हमारी पत्नी दिल्ली से पटना राजधानी एक्सप्रैस से जा रही थीं। अध्यक्ष महोदय, हमें आपके यहां से एक दिशा निर्देश मिला है जिसमें यह कहा गया है कि सदस्य के निवास स्थान से दिल्ली तक आने जाने के लिए प्रत्येक सत्र के दौरान एक बार तथा बजट सत्र के दौरान दो बार, लेकिन एक वर्ष में आठ बार से अनाधिक यात्रा करने हेतु एक नःशुल्क वातानुकूलित प्रथम श्रेणी अथवा एक्ज़ीक्यूटिव श्रेणी का रेल पास और यदि ऐसी यात्रा या उसका कोई भाग वायुयान द्वारा किया जाता है तो विमान किराए के बराबर रकम का भुगतान संसद सदस्य प्राप्त करने का हकदार होगा। अध्यक्ष महोदय, जो आई. कार्ड हमारी पत्नी के नाम से लोक सभा सचिवालय द्वारा निर्गत किया गया है, उसमें भी इसको उद्धृत किया गया है। अध्यक्ष महोदय, 19.4.2007 को हमारी पत्नी आपके दिए हुए निर्देश के आलोक में प्रथम एसी में यात्रा कर रही थी और हमारे दो बच्चे एसी-2 में यात्रा कर रहे थे। इलाहाबाद में रात के लगभग 12.30 बजे ट्रेन को रोककर अचानक उस कूपे को खटखटाया गया और मीडिया के लोगों ने अचानक फोटो लेना शुरू कर दिया। हमारी पत्नी घबरा गई तो टीटी बच्चों को ए.सी-2 से बुलाकर ले आए। बुलाकर लाने के बाद वहां इलाहाबाद के जो पदाधिकारी थे, उनको बच्चों ने हमारी पत्नी का आई.कार्ड दिखाया और कहा कि ये यात्रा करने के लिए ऑथराइज्ड हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम बदल गया है। इसके बाद उन्होंने बच्चों से पूछा कि आप इसमें कैसे आ गए। उन्होंने कहा कि हमें टीटी ने बुलाया है। टीटी को उन्होंने कहा कि आप लिखकर दीजिए कि बच्चे ए.सी.1 में थे। टीटी ने लिखकर दिया कि हमने बच्चों को बुलाया है और बच्चे ए.सी.2 में मौजूद थे। इसके बाद बच्चों और हमारी पत्नी को वहां जुर्माना किया गया और अपमानित किया गया। अध्यक्ष महोदय, कई बार सवाल उठते हैं तो हम विनम्रतापूर्वक आपसे निवेदन करना चाहते हैं जिस पर आप अपनी मजबूरी ज़ाहिर करते हैं और कहते हैं कि इसमें आप क्या कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारी पत्नी यात्रा कर रही थी आपके दिये हुए निर्देश के आलोक में।

MR.SPEAKER: That is why I am looking into it. I shall personally look into it after the report comes.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम आपकी इजाज़त से यहां पर रखना चाहते हैं जो बच्चों का ए.सी.-2 का टिकट था। जब टीटी ने कहा कि हम बुलाकर लाए हैं तो टीटी को निलंबित किया गया, इसलिए कि क्यों उसने लिखकर दिया कि बच्चे ए.सी.2 में यात्रा कर रहे थे। अध्यक्ष महोदय, रेल मंत्री जी भी मौजूद हैं। रेल मंत्री जी से हमारे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन हम नहीं समझते हैं कि रेल मंत्री जी इससे प्रसन्न होंगे कि हमारी पत्नी और बच्चों को प्रताड़ित किया जाए। हम विनम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहते हैं कि ऐसे मामलों में जांच की आवश्यकता नहीं होती। आई.कार्ड आपका दिया हुआ है, यह जुर्माने की रसीद आपके सामने मौजूद है, ए.सी.2 का टिकट आपके सामने मौजूद है। हम विनम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहते हैं कि रेल मंत्री जी मौजूद हैं और सदन को यह अवगत कराएं कि क्या इसी तरह होगा? क्योंकि आज यह घटना आपको प्रसन्न करने के लिए की गई यह समझकर कि आपसे हमारे अच्छे रिश्ते नहीं हैं या क्या कारण है कि एक कूपे की साढ़े बारह बजे रात में जांच की जाती है? यदि ट्रेन के सभी कूपों की जांच की जाती तो हम समझते कि नॉर्मल जांच हो रही है, लेकिन एक कूपे की जांच करके हमारी पत्नी को अपमानित किया जा रहा है, हमारे बच्चों को प्रताड़ित किया जा रहा है। एक तरफ आप सदन के सदस्यों को बराबर निर्देशित करते रहते हैं कि सदन की गरिमा को बरकरार रखना चाहिए। [H2]

सदस्यों को अपनी गरिमा को बरकरार रखना है और आपके दिए हुए निर्देश के आलोक में सदस्यों के परिवार को अगर उत्पीड़ित किया जा रहा है,...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: That is why, I have asked for a report. I have told you.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम आपसे स्पष्ट निवेदन करना चाहते हैं कि आप इसमें कठोर कदम उठाइए।...(व्यवधान) आप इसमें अपनी शक्ति का उपयोग कीजिए। हम रेल मंत्री जी से भी निवेदन करना चाहेंगे कि इस पर उन्हें सदन को अवगत कराना चाहिए और देश को बताना चाहिए, ताकि यह भ्रम न हो कि आप बदले की भावना से हमारे परिवार को प्रताड़ित कराते हैं, यह हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं। आप स्थिति को स्पष्ट कीजिए कि किस परिस्थिति में मेरे परिवार के साथ यह घटना घटी।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have called for a report.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम ये सारे कागज आपकी इजाज़त से सदन में रखना चाहते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप भेज दीजिए।

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने मुझे बताया भी है और अखबार में भी हमने देखा है कि वहां रेलवे के अधिकारी, पदाधिकारी ने जांच की और उन्हें दस हजार रुपए का फाइन किया। हमें जानकारी मिली है, इसमें कोई बदले की भावना नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि आरजेडी के एमपी श्री रघुनाथ झा जी, उनकी धर्म पत्नी, ये ही नहीं, कई हमारे एमपीज़ को रेल के टी.टी. और अधिकारियों ने रात के 12 बजे, शिबु सोरेन जी और उनकी पत्नी जा रही थीं, ये बातें आई थीं, इन बातों को छोड़ दीजिए। हमारे सास और ससुर जी को भी टी.टी. ने बैठा दिया था और वह सैकिंड क्लास का था। उन्होंने भी फाइन दिया। प्रभुनाथ जी का यह कहना कि पोलिटिकल मतभेद की वजह से हम कुछ करवा रहे हैं।...(व्यवधान) हमें मालूम ही नहीं था।...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : मैंने यह नहीं कहा।...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : महोदय, भ्रम नहीं रहना चाहिए, यथार्थ को जानना चाहिए। हम इसकी जांच जरूर करवा देंगे। मैंने आपसे भी आग्रह किया था कि नियम में परिवर्तन हो जाना चाहिए, सरकार उसके लिए भी पहल करेगी कि आए-दिन एमपी एवं मंत्रियों को, उत्तर प्रदेश के मंत्री जी के बारे में भी आपको याद होगा कि हमारी गाड़ी में बैठ गए थे। गाड़ी सब की है। हम इसकी जांच करा कर, दूध का दूध और पानी का पानी करा कर आपके सुपुर्द कर देंगे, आप उसे देख लीजिए। इसमें कोई दुर्भावना की मंशा किसी की नहीं है और हमें क्या पता है कि कौन एमपी साहब का परिवार कहां जा रहा है। हम किसी बैठे हुए व्यक्ति को पकड़वाते हों, यह काम हमारा नहीं है, कानून की नज़र में सब लोग बराबर हैं। जब हमारे सास-ससुर नहीं बचे,...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The inquiry is on. We have already directed.

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, हम इसकी एक सप्ताह में इंक्वायरी करा कर आपके पास ला देंगे। अगर वह गलत होगा तो मैं उसे दंडित करूंगा। आपने पैमेंट कर दिया तो यह कोई अपराध की बात नहीं है।...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम विनम्रता पूर्वक आपसे कहते हैं कि लालू जी हर बात को मज़ाकिया लहज़े में लेते हैं कि उनके सास-ससुर यात्रा कर रहे थे, उनके सास-ससुर बिना टिकट के यात्रा कर रहे हैं तो उन्हें जुर्माना हुआ। हमारी पत्नी टिकट लेकर यात्रा कर रही थी।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not a matter for discussion.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : इसे मज़ाकिया लहज़े में नहीं लेना चाहिए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please allow me to speak. I have allowed you to raise it. I treated it as a serious matter.

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : आप कहते हैं कि बड़ा अच्छा हुआ दस हजार रुपए दे दिए।...(व्यवधान) अभी आप बोले कि दस हजार रुपए दे दिए तो क्या हुआ।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No, please. It cannot be like that.

Mr. Prabhunath Singh, this is a serious matter. Let us take it seriously. I have already directed an inquiry. When the report comes, I shall look into it. I promise to you.

Now, Shri Hannon Mollah.

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Sir, he is not ready. So, you can call another Member.

MR. SPEAKER: Have you forgotten? Then, you get ready in the meantime.